# अनुक्रमणिका


➔ **भूमिका** **i - vii**

➤ **प्रथम अध्याय –**

**भारतीय समाज में नारी की स्थिति** **1 – 55**

(अ) नवजागरण पूर्व नारी

(ब) नवजागरण और नारी

(1) ब्रिटिश सत्ता और संस्कृति तथा भारतीय समाज

(2) कानून

(3) विभिन्न सामाजिक सुधार

(4) नारी संगठनों की भूमिका

(5) राष्ट्रीय आन्दोलन और महिलाओं की भागीदारी

क. 1857 का विद्रोह

ख. क्रांतिकारी गतिविधियाँ और नारी

ग. महिला मताधिकार

निष्कर्ष

## द्वितीय अध्याय –

**यशपाल का जीवन और साहित्य** 56 – 98

(अ) जीवन परिचय

1. अध्ययन
2. क्रांतिकारी यशपाल
3. विवाह और रिहाई
4. व्यक्तित्व
5. कृतित्व

(ब) यशपाल की रचना दृष्टि

(स) निर्वाण

निष्कर्ष

## तृतीय अध्याय –

**यशपाल के उपन्यासों में स्त्री की वैवाहिक स्थिति** 99 – 150

(अ) विवाह की अनिवार्यता

(ब) बाल विवाह

(स) बहु विवाह

(द) अनमेल विवाह (बाला-वृद्ध विवाह, दुहाजू विवाह)

(य) विधवा विवाह

(र) प्रेम विवाह

(ल) दहेज की स्थिति

(व) वैवाहिक जीवन की विसंगतियाँ

निष्कर्ष

- **चतुर्थ अध्याय –**

  **यशपाल के उपन्यासों में स्त्री की पारिवारिक स्थिति** 151 – 188

  (अ) संयुक्त परिवार
  (ब) परिवार विघटन
  (स) कुमारी माता
  (द) परित्यकता स्त्री
  (य) अपहृत स्त्री
  (र) विधवा स्त्री
  (ल) स्त्री और पुरूष की पारस्परिक दाय
  निष्कर्ष

- **पंचम अध्याय –**

  **यशपाल के उपन्यासों में अन्य सामाजिक स्थिति और स्त्री** 189 – 233

  (1) पारिवारिक परिवेश में स्थिति
    (अ) नारी शिक्षा
    (ब) आर्थिक स्थिति
    (स) वेश्या समस्या
    (द) स्त्री के क्रय-विक्रय की स्थिति
    (य) दासी प्रथा
  (2) पारिवारिक परिवेश के बाहर स्थिति
    (अ) धर्म
    (ब) राजनैतिक
    (स) पुलिस प्रशासन और भ्रष्टाचार
  निष्कर्ष

  **उपसंहार** 234 – 253

- **सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची** 254 – 265

  (क) आधारभूत ग्रन्थ
  (ख) सहायक ग्रन्थ
  (ग) शब्द कोश
  (घ) पत्र-पत्रिकाएँ